



न्यायालय श्रीमान प्रशासकीय सदस्य महोदय राजस्व बोर्ड, ग्वालियर, प्रवास
जबलपुर (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक : 418/1/2013

आवेदक : सुनील जायसवाल

विरुद्ध

अनावेदक : रमेश चंद्र गुप्ता

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 35(3) म.प्र.भू.राज.संहिता

आवेदक न्यायालय श्री से अर्ज करता है:-

1. यह कि उपरोक्त प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष विचाराधीन था जिसमें माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत की गई थी बहरहाल प्रकरण 25.06.2016 को नियत था।
2. यह कि उक्त प्रकरण पीठासीन अधिकारी के स्थानांतरण हो जाने के पश्चात् लगातार नियत पेशी पर नहीं उपलब्ध हो पाया था जिसके कारण उपस्थित संबंधित पेशकार द्वारा पृथक से आदेश पत्रिका में हस्ताक्षर लेकर तिथियां बढ़ाई गई ऐसी परिस्थिति में कल दिनांक 26.10.2016 को जब नियत पेशी पर पक्षकार के अधिवक्ता द्वारा संबंधित पेशकार से जानकारी उठाई गई तब उनके द्वारा यह ज्ञात कराया गया कि प्रकरण अदम पैरवी में खारिज हो गया है जबकि पक्षकार के अधिवक्ता द्वारा माननीय न्यायालय के समक्ष इस संबंध में मुहजबानी एवं आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन भी किया था कि उक्त प्रकरण नहीं आ रहा है जिससे कोई भी परिस्थिति निर्मित हो सकती है। ऐसी परिस्थिति में माननीय न्यायालय द्वारा आश्वासन दिया गया कि प्रकरण मिल जाने पर सुनवाई की जावेगी अन्यथा पृथक से करवाई गई आदेश पत्रिकाओं में हस्ताक्षर और नियत पेशी से यह स्पष्ट किया जाता है कि आवेदक अधिवक्ता लगातार संबंधित पेशियों में उपस्थित होते रहे, यदि कोई उपरोक्त परिस्थिति अदम पैरवी में खारिज होने जैसी निर्मित की गई है उसमें आवेदक या उनके अधिवक्ता की किसी भी प्रकार की लापरवाही वरती नहीं गई लिहाजा न्यायहित में उपरोक्त प्रकरण नं. पर कायम किया जाकर प्रकरण में गुण दोषों के आधार पर निराकरण न्यायोचित होगा।

यह कि इस आवेदन के समर्थन में पृथक से धारा 5 परिसीमा अधिनियम एवं मय शपथपत्र संलग्न है।

प्रार्थना

अतः न्यायालय श्री से प्रार्थना है कि प्रकरण की परिस्थितियों को देखते हुए

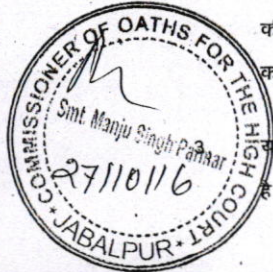
न्यायहित में प्रकरण को पुनः नंबर पर कायम किया जाकर श्रवण किये जाने का आदेश पारित हो।

जबलपुर

दिनांक : 27.10.2016

अधिवक्ता वास्ते आवेदक

(सत्येन्द्र गौतम, अधि०)



रैखे

मुजीब 1 रमेश

XXXIX(a)-BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

वेद्यो 9241-1/15 प्रकरण क्रमांक..... जिला ७५७७७

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
27-4-18	<p>आवेदक- कामोरी सरो-द्र गौरम उपमिवा। आवेदक- कामोरी वेद्योवेधन आवेदन नं- सुभा वका। विपारोपरान्त प्रस्तुत वेद्योवेधन आवेदन लीकार- विमा आता ही मूळ विवरणी 118-1113 पुनः सुनवाई के लिए नमो न नी जावे ही मसुदाका इना 27/4-समाप्त- विमा आता ही प्रकार काठिळ रिमाड ही।</p>	<p>9 Aew 27/4</p>

3

प्रवर्द्धक